Code No.-1 (321)

नशा - युवा पीढ़ी का अभिशाप

आज के ज़माने में 'नशा' एक बहुत बड़ी आपत्ति हो गयी है। आज हम देखेंगे तो पता चलता है कि देश में सात इस नशा कि गुलाम हो चुकी है। खासकर नयी पीढ़ी इस का गुलाम होता जा रहा है।

स्कूली बच्चों से लेकर कॉलेज जाने बच्चों तक सब इस नशा कि गुलाम बन रहा है इस अभिशाप नाहि उस व्यक्ति को कुछ करता है। व्यक्ति से लेकर परिवार तक और इस अनेक परिवार से लेकर अपना देश तक। तो सभ यह जानता था कि इस का भविष्य क्या होगा। जो नयी पीढ़ी इस नशा कि अपना करते हो उसका आरंभ उस का घर पर ही होगा। इसलिए युव पीढ़ि को नशा की गुलामी बनने में उसका परिवार का एक महत्वपूर्ण स्थान है। इसलिए इसके बारे पहले जागरूकता परिवारवालों को होना आवश्यक है।

कोई व्यक्ति कभी भी नशा को उपयोग करना नही चाहती। उसका पारिवारिक हालत और मानसीक प्रश्नां उसको नशे उपयोग करने के लिए प्रेरित करते है। जो व्यक्ति इस तरह की नशीली पदार्थों को उपयोग करती है वो अपने मानसीक प्रशनां को भुलाने के लिए करती है अर्थात आज का नयी पीढ़ी अपने मानसीक संघर्षे को भुलाने की एक मार्ग होती है नशा॥

यें 'नशा' को उपयोग करनेवाले कारणों में एक होती है इस तरह अनेक कारणों भी है। उस में मुख्य कारण है 'दोस्ती'। आज के नयी-पीढ़ी अपने दोस्तों को अपनी ज़िन्दगी में एक महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। वो अपने माता-पिता के बातों के ऊपर ही दोस्तों की बात मानने लगती है। वो दोस्तों की संग (पीयर ग्रुप) में जाकर अपनी दोस्तों की हिस्सा से पहले नशा उपयोग करना सीख जाती है। वो अपनी दोस्तों की खुशी देखने के लिए पहले वो उपयोग करता है

और फिर उसका गुलाम भी बन
जाता है। इसलिए माता-पिता अपने बच्चे की
दोस्तों को चुनने अपनी बच्चों की मदद करनी ।
चाहिए और उसका दोस्तों को भी ध्यान रखना
चाहिए की वो नशा उपयोग करती है या नहीं।

परिवारों भी नयी पीढ़ी को नशीली
पदार्थों जैसे तंबाकू, पान पराग, और सीगार जैसी
हानिकारक चीज़ें उपयोग करने में जाने या
न जाने मदद करती है। जैसे घर में पिता ये
सब उपयोग करता है तो उस का बच्चों
को भी वो चीज़ों उपयोग करने में इच्छा होगी।
पहले छू कर देखेगी फिर मुँह में डालकर
देखेगा और फिर उपयोग करना शुरु करेगा।
नशा उपयोग करनी शुरु करेंगे तो उसे
माँगने में पैसे भी चाहिए उस पैसे के लिए
वो पहले अनेक कारणों बताकर अपनी परिवार-
वालों से माँगेगा। वो नहीं दिया तो अपनी ही
माता-पिता की जेब से उसके बिना जाने

चोरी भी करना शुरू करेगा। अगर अपने घर से नहीं मिले तो दूसरे घर। अधिकांश। युवपीढ़ी में बेचारे यानी सांप्रतिक स्थिति से बहुत कुछ दिखते बच्चों इस से बेहद गुलाम बन गए हैं।

आज हम देख सकते हैं कि लड़का या लड़की लड़की दोनों इस नशीली पदार्थों का उपयोग करने में शामिल है। आज का युवजन लड़कियाँ भी इसका गुलामी है। इस लड़की ~~अगर एक माँ~~ एक बात सोचने चाहिए की काल वो एक माँ बनजाती थी इसका असर वो मासूम बच्चे पर पड़ेगा।

कहा जाता है कि लड़कियाँ यानी स्त्री पुरुषों की तुलना से काफी उत्तरदायित्व का बोध इसलिए हर नारी को अवबोध होनी चाहिए की वो एक माँ है बहन है, पत्नी है आदि उसको इस पूरे दुनिया को बच्चे की उत्तरदायित्व है इसलिए इन नशीलीपदार्थों की

उपयोग नही करना है। और आनेवाले युवपीढ़ीयों को इस तरह की गंदा शील से बचने की मार्गदर्शन कर सकती है।

आज का युवपीढ़ीयां नशीली पदार्थों की उपयोग से सब कुछ भूल जाती है जैसे रिश्ता, भक्ति आदि। वो नशा उपयोग करने की बात अपनी माँ, बहन, बेटी को भी भूल जाती है और कई तरह की बुरा व्यवहार करना भी शुरु करती है। इस तरह की युवपीढ़ी सचमुच हमारे देश के लिए शाप होती है और उसको लेकर उस देश को कोई लाभ नही होता। इसलिए आज का युवपीढ़ियाँ यह समझना चाहिए की वो ही हमारा देश की भविष्य है इसलिए उसको इस तरह की बुरा व्यवहार नही करना चाहिए।

विद्यार्थी जीवन एक मानव की जिन्दगी में एक महत्वपूर्ण सुविधा है। वो

इस तरह की होन व्यवहार करके व्यर्थ नही करना चाहिए। इस समय युवपीढ़ी का एक ही लक्ष्य होना चाहिए की उसका अपनी देश को आगे बढ़ाने केलिए अच्छा शिक्षा करके अपने भारत की कीर्ती को विश्व भर में फैलाना। इसकेलिए विद्यार्थी शिक्षण के साथ साथ देशप्रेम, भाईचारा आदि अनेक गुणों को भी होना चाहिए। उसको यो वाक्य सदा अपने मन में रखना चाहिए की "अपनी देश की भविष्य अपने हाथ में" इस चिंता आगे बढ़े उन्हें कभी भी नशा जैसी हानिकारक चीज़ों को प्रयोग करने की चिंता नही होगा।

आज के नयी पीढ़ी इस तरह नशीली पदार्थों की प्रयोग करनेवाले कारणों में एक 'फिल्म'। आज का नव-युवक 'फिल्म' देखकर अपनी पसंद हीरो' को अनुकरण करना चाहता हैं। इस तरह

होरो जो भी करता है वो भी वैसी करता है। होरो धूम्रपान करते है तो उसको वो करना अच्छा होगा और वो वैसे करते है और अंत में उसकी गुलामी बन जाती है। इसलिए नव-युवको को अच्छे फिल्में और पुस्तको को देखना चाहिए जैसे अपने देश की महान - नेताओं की कहानीयाँ, सलाहो आदि। ये सब पढ़ने नयी पीढ़ी की मन में नयी आशाय बढ़ेगा। और अपनी देश की क्षेम केलिए अपनी भाग लेने में सहायता हो। हमारे भारत सरकार भी इस तरह की नशा की शाप से हमारी देश को बचाने केलिए अनेक कार्यक्रमों भी करती जा रही है।

आज का युव पीढ़ी कल का भविष्य है। इसलिए उसको नशा जैसे शापों से मुक्त होकर अपनी देश को बचाने में अपना भाग लेना चाहिए। और अपने को आगे बढ़ाने में मदद करना चाहिए।